रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 15 मई, 2026

वर्ष 02 | अंक 120 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

यूपी में आंधी-तूफान का कहर, 104 की मौत

80 किमी की आंधी में युवक उड़ा

राजस्थान में गर्मी का रेड अलर्ट, मप्र भी हीटवेव की चपेट में

लखनऊ/भोपाल/जयपुर/पटना (एजेंसी)। देश में दो तरह का मौसम देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज-अयोध्या समेत 30 जिलों में आंधी-तूफान के कारण 104 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में हुईं।

यहां 80 किमी की रफ्तार से आंधी चली, बरेली में एक युवक टीनशेड समेत हवा में उड़ गया। राज्य के बांदा शहर में तापमान 45.4 डिग्री रहा। आज 51 जिलों में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है।

जैसलमेर देश का सबसे गर्म शहर – राजस्थान में भी तेज गर्मी और हीटवेव का असर है। बुधवार को लगातार चौथे दिन राज्य का जैसलमेर देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 46.1 डिग्री तापमान रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आज आज बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर में तेज गर्मी का रेड अलर्ट है। 13 जिलों में हीटवेव की चेतावनी है।

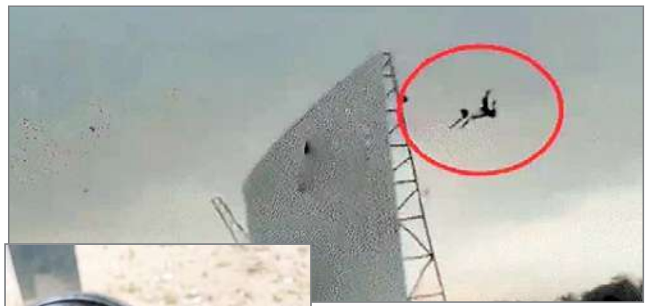

मप्र खजुराहो में तापमान 45.4 डिग्री – वहीं, मध्य प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों में हीटवेव चल रही है, जो 18 मई तक जारी रह सकती है। खजुराहो में तापमान 45.4 डिग्री रहा। आज इंदौर, उज्जैन, धार और रतलाम में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में वार्म नाइट का भी अलर्ट है।इधर, हरियाणा के अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटे में 1.1 डिग्री बढ़ोतरी हुई। राज्य के 5 शहरों में 40 डिग्री से ज्यादा रहा, इनमें नारनौल 42.5 डिग्री रहा। राज्य में 17 मई से हीटवेव का यलो अलर्ट है। बिहार के पूर्णिया-कटिहार समेत 7 जिलों में आज तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

नन्हे मियां, जिन्हें आंधी 50 फीट तक उड़ाकर ले गई!

उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जिलों में तेज हवाओं, बिजली गिरने और तूफान की वजह से अभी तक 104 लोगों की मौत की खबर है। वहीं, करीब 53 लोग घायल बताए जा रहे हैं। तबाही के इस मंजर के बीच यूपी के बरेली से एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स बारातघर के टीनशेड के पोल को पकड़कर खड़ा था कि तभी हवा का एक बहुत तेज झोंका आया और शख्स को करीब 50 फीट ऊपर उछालकर खेतों में पटक दिया। घटना में शख्स के हाथ-पैर टूट गए और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बरेली का वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में शेयर किया गया। वीडियो देखकर लोगों को यकीन ही नहीं हुआ कि हवा का झोंका इतना जबरदस्त हो सकता है कि वो किसी इंसान को इतनी ऊंचाई तक उड़ा ले जाए।

हरियाणा-महाराष्ट्र समेत 19 राज्यों में एसआईआर का ऐलान

- पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल चुनाव, 37 करोड़ वोटर्स का वेरिफिकेशन होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) के तीसरे फेज की घोषणा की है। इस फेज के तहत हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 36.73 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन किया जाएगा। एसआईआर के तीसरे फेज के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरे देश में एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। तीनों बचे हुए राज्यों में खराब मौसम और जनगणना के कारण एसआईआर के शेड्यूल की घोषणा बाद में की जाएगी।

करीब 4 लाख बीएलओ, 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट तैनात होंगे– चुनाव आयोग ने बताया कि तीसरे फेज की एसआईआर प्रक्रिया में 3.94 लाख बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) तैनात होंगे। बीएलओ की मदद के लिए राजनीतिक पार्टियों की तरफ नियुक्त 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलओ) भी शामिल रहेंगे।

कांस में गाला डिनर में आलिया भट्ट पहुंचीं

- आरती खेत्रपाल के हाथ में भगवद् गीता, पर्स पर लिखा हरे राम, कांस से सामने आया इन्फ्लुएंसर का खास लुक

पेरिस (एजेंसी)। आलिया भट्ट 12 मई 2026 से शुरू हुए 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में लोरियल पेरिस की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर के तौर पर शामिल हुई हैं। कांस फिल्म फेस्टिवल 2026 में आलिया भट्ट लोरियल पेरिस गाला डिनर के दौरान नजर आई, जहां उन्होंने फ्लोरल ब्रोकेड आउटफिट पहना था।

वहीं गुरुवार को सिंगर-इन्फ्लुएंसर आरती खेत्रपाल का सनातन धर्म थीम वाला लुक सामने आया, जिसमें वो कांस के रेड कार्पेट पर हाथ में भगवद गीता और 'हरे राम' लिखे पर्स के साथ नजर आई। इससे पहले आलिया बुधवार शाम को कांस में आइस ब्लू गाउन में रेड कार्पेट पर नजर आईं। फिल्म 'ए वूमेन्स लाइफ' के प्रीमियर के दौरान उनका 'सिंड्रेला' अवतार देखने को मिला।रेड कार्पेट पर आने से कुछ घंटे पहले, आलिया ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लोरियल पेरिस को टैग करते हुए अपने लुक की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। दुनियाभर का सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल और कल्चरल इवेंट कांस 12 मई से शुरू हुआ है। फेस्टिवल 23 मई तक फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा में जारी रहेगा। कांस से आलिया के अब तक 5 लुक सामने आ चुके हैं।

यूलिया वंतूर ने कांस रेड कार्पेट पर वॉक किया

आलिया भट्ट के अलावा उर्वशी रौतेला और यूलिया वंतूर का कांस लुक सामने आया है। वहीं, ऐश्वर्या राय, मौनी रॉय, अदिति राव हैदरी और एहस चन्ना कांस के रेड कार्पेट पर पहुंचेंगी। एक्ट्रेस तारा सुतारिया भी कांस रेड कार्पेट पर डेब्यू करने वाली हैं।एक्ट्रेस यूलिया वंतूर को अपनी शॉर्ट फिल्म इकोज ऑफ अस को प्रमोट करने के लिए कांस के रेड कार्पेट पर वॉक करती नजर आई। उन्होंने डिजाइनर तमारा राल्फ का डिजाइन किया हुआ आइस-ब्लू टरकॉइज गाउन पहना था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में पुष्प-गुच्छ भेंट कर सौजन्य मुलाकात की।

- पेट्रोल बचाओ अपील के बाद देश में पहली कार्रवाई

किसान मोर्चा के नए अध्यक्ष ने वाहन रैली निकाली थी, नियुक्ति रद्द

ग्वालियर (एजेंसी)। भिंड के भाजपा नेता सज्जन सिंह यादव को 100 से अधिक लग्जरी वाहनों के साथ शहर में प्रवेश करना भारी पड़ गया। नियुक्ति के 18 दिन में ही भाजपा ने उन्हें भिंड जिला भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष पद से हटा दिया है।

वे अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद बुधवार शाम को शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान शहर का ट्रैफिक बाधित हुआ तो हॉर्न बजाते और नारेबाजी के कारण शोर भी हुआ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने यह कार्रवाई की है। इस मामले में देश में यह पहली कार्रवाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छह दिन में दो बार ईंधन बचाने की अपील कर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने अपने काफिले से वाहन कम कर दिए। देश के गृह मंत्री अमित शाह, अन्य विभागों के मंत्रियों, मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्रियों ने भी काफिले से वाहन कम कर दिए। इसके बाद भी सज्जन सिंह यादव अध्यक्ष बनने के बाद शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे।

पार्टी ने किया था जवाब तलब

मामला सामने आने के बाद भाजपा संगठन ने सज्जन सिंह यादव से चर्चा की। उनसे जवाब तलब किया तो सज्जन सिंह यादव ने पार्टी नेतृत्व को सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी कार्यकर्ता या समर्थक को वाहन लेकर आने के लिए नहीं कहा था। लोग स्वेच्छा से काफिले में शामिल हुए थे और यह पार्टी के प्रति उनका उत्साह व प्रेम था।

देवास पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट: हादसे पर सीएम ने मुफ्त इलाज और 4 लाख सहायता का किया ऐलान

इंदौर/देवास। देवास जिले के सोनकच्छ विधानसभा क्षेत्र के टोककला गांव स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट और आगजनी ने पूरे इलाके को दहला दिया। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिनमें से पांच घायलों को बेहतर उपचार के लिए इंदौर रेफर किया गया है। इनमें तीन मरीजों की हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है, जो 80 से 90 प्रतिशत तक झुलसे हुए हैं। सभी घायलों का इलाज इंदौर के एमवाय अस्पताल और चोइथराम अस्पताल में जारी है। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर और आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। विस्फोट इतना तेज था कि दूर तक धमाके की आवाज सुनाई दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में आग लगने के बाद विस्फोट हुआ, जिससे वहां मौजूद मजदूर इसकी चपेट में आ गए। कुछ लोगों की मौत की आशंका भी जताई जा रही है। इंदौर के एमवाय अस्पताल की बर्न यूनिट में भर्ती तीनों मरीजों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार अत्यधिक जलने के कारण मरीजों की हालत चिंताजनक है और मेडिकल कॉलेज की पूरी टीम उनके इलाज में जुटी हुई है। अन्य घायलों को भी इंदौर लाए जाने की संभावना को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने बर्न यूनिट में 20 बेड आरक्षित कर दिए हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि एमवाय और चोइथराम अस्पताल की बर्न यूनिट को सक्रिय कर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि हादसे के बाद इंदौर जिले में संचालित सभी पटाखा फैक्ट्रियों की जांच कराई जाएगी, ताकि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके। सोनकच्छ विधायक राजेश सोनकर ने एमवाय अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद सभी घायलों के मुफ्त इलाज के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही हादसे में मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की गई है। विधायक ने कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता घायलों को बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है।

एमवाय अस्पताल में सुरक्षा और सफाई कर्मियों की हड़ताल, वेतन कटौती से भड़के कर्मचारी

वेतन नहीं मिलने पर आउटसोर्स कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

इंदौर। एमवाय अस्पताल में बुधवार को सुरक्षा और सफाई व्यवस्था ठप होती नजर आई, जब बीवीजी कंपनी के आउटसोर्स कर्मचारियों ने वेतन में कटौती और भुगतान में देरी के विरोध में हड़ताल कर दी। कर्मचारियों के प्रदर्शन के चलते अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित रही और कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था भी बिगड़ी दिखाई दी। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है। कई कर्मचारियों ने बताया कि जिन लोगों के खाते में सैलरी आई भी है, उसमें चार से पांच हजार रुपये तक की कटौती की गई है। कर्मचारियों के अनुसार उनकी तय सैलरी 12,600 रुपये है, लेकिन उन्हें मात्र 8 हजार रुपये का भुगतान किया गया। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने कहा कि इतनी कम राशि में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। उनका कहना था कि कंपनी प्रबंधन से लगातार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही। कर्मचारियों ने कंपनी के मैनेजर रवि मालवीय पर भी समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। हड़ताल का असर अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर साफ दिखाई दिया। मुख्य प्रवेश द्वार सहित कई स्थानों पर सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं थे, जिससे अस्पताल परिसर में बाहरी लोगों की आवाजाही बेरोकटोक होती रही। वहीं सफाई कर्मचारियों के काम बंद करने से अस्पताल परिसर की स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हुई। शाम को कंपनी प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच चर्चा के बाद कर्मचारियों को 25 मई तक वेतन भुगतान का आश्वासन दिया गया। इसके बाद कर्मचारियों ने हड़ताल समाप्त कर दोबारा काम शुरू कर दिया। गौरतलब है कि बीवीजी कंपनी पहले भी कार्यप्रणाली को लेकर विवादों में रही है। सूत्रों के अनुसार खराब प्रदर्शन के चलते प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेज इस कंपनी की सेवाएं समाप्त कर चुके हैं। वहीं एमजीएम मेडिकल कॉलेज प्रबंधन भी सफाई व्यवस्था में लापरवाही को लेकर पिछले तीन महीनों में कंपनी पर चार बार जुर्माना लगा चुका है। इसके बावजूद कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच विवाद लगातार जारी

उबलता इंदौर: 685 मेगावाट पार पहुंची बिजली मांग, कटौती और ट्रांसफॉर्मर फेल होने से लोग बेहाल

इंदौर में भीषण गर्मी अब सिर्फ मौसम की परेशानी नहीं रही, बल्कि बिजली व्यवस्था पर भी भारी दबाव बन चुकी है। दिन का तापमान 42 डिग्री के पार पहुंचने के साथ शहर में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। पिछले 48 घंटों में बिजली खपत में तेज उछाल दर्ज हुआ और शहर की मांग 685 मेगावाट से अधिक पहुंच गई, जो कई बड़े शहरों और कुछ राज्यों की मांग के बराबर मानी जा रही है। प्रदेश स्तर पर बिजली की मांग 14 हजार मेगावाट से ऊपर दर्ज की गई है, जबकि बिजली कंपनियों के पास करीब 22 हजार मेगावाट उपलब्धता होने का दावा किया जा रहा है। यानी कागजों पर लगभग 8 हजार मेगावाट अतिरिक्त बिजली मौजूद है, लेकिन इसके बावजूद शहर के कई इलाकों में तकनीकी कारणों, ट्रांसफॉर्मर फेल होने और मेंटेनेंस के नाम पर बिजली कटौती जारी है।

दिन में सूनी सड़कें, रात में भी नहीं मिल रही राहत– गर्मी के तीखे तेवरों ने शहर की रफ्तार धीमी कर दी है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा दिखाई दे रहा है, जबकि रात में भी गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। पंखे और कूलर जवाब देने लगे हैं और एसी भी लगातार चलने से ओवरलोड हो रहे हैं। शाम ढलते ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं। बाजारों, खान-पान की दुकानों और ठंडी चीजों के ठेलों पर भीड़ बढ़ रही है। दूसरी तरफ कूलर, पंखे और एसी रिपेयरिंग की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ रही है। नए एयर कूलर और एसी की बिक्री में भी अचानक तेजी आई है।

40 फीसदी तक बढ़ी बिजली खपत– बिजली कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक गर्मी बढ़ने के साथ शहर में बिजली खपत में करीब 40 फीसदी तक वृद्धि हुई है। एसी, कूलर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लगातार उपयोग से लोड बढ़ गया है। अगले 15 से 20 दिनों तक बिजली की मांग इसी स्तर पर बने रहने की आशंका जताई जा रही है।

कई इलाकों में बार-बार गुल हो रही बिजली– शहर के कई हिस्सों में लगातार बिजली बाधित होने से लोग परेशान हैं। खासतौर पर विजयनगर, तिलक नगर, राजेंद्र नगर, अन्नपूर्णा, चोइथराम, स्कीम-74, स्कीम नंबर-54, सुखलिया और राजबाड़ा क्षेत्र में ट्रिपिंग और बिजली गुल होने की शिकायतें बढ़ रही हैं। अत्यधिक लोड के कारण ट्रांसफॉर्मर फेल होने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। विभाग का कहना है कि ओवरलोडिंग के चलते तकनीकी दिक्कतें बढ़ी हैं और टीमें लगातार सुधार कार्य में जुटी हुई हैं।

'बिजली की कमी नहीं, तकनीकी दबाव ज्यादा '– बिजली कंपनी का दावा है कि प्रदेश में बिजली की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त सप्लाई उपलब्ध है। उच्च प्रबंधन लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है, लेकिन जिस तेजी से तापमान और खपत बढ़ रही है, उसने वितरण व्यवस्था की असली क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहरवासियों का कहना है कि जब पर्याप्त बिजली उपलब्ध है तो फिर बार-बार कटौती क्यों हो रही है। लोगों का आरोप है कि 'मेंटेनेंस' और 'तकनीकी कारण' अब बिजली विभाग का नया बहाना बन चुके हैं।

गर्मी अभी और सताएगी– मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में बिजली की मांग भी नए रिकॉर्ड बना सकती है। यदि वितरण तंत्र को समय रहते मजबूत नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में शहरवासियों को और ज्यादा बिजली संकट का सामना करना पड़ सकता है।

आरटीओ की बड़ी कार्रवाई: 11 बसें जब्त, दो की फिटनेस निरस्त

इंदौर। शहर में लोक परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित और नियमबद्ध बनाने के लिए जिला प्रशासन और आरटीओ ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 13 यात्री बसों पर कार्रवाई की। इनमें से 11 बसों को जब्त किया गया, जबकि दो बसों के फिटनेस प्रमाणपत्र निरस्त कर दिए गए। कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम और आरटीओ की टीम ने तीन इमली चौराहा और राजकुमार ब्रिज के नीचे यात्री बसों की सघन जांच की। इस दौरान बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया वसूली और अवैध पार्किंग जैसे मामलों की भी जांच की गई। जांच के दौरान बसों में इमरजेंसी एग्जिट, फायर सेफ्टी सिस्टम, पैनिक बटन, जीपीएस, स्पीड गवर्नर, प्रेशर हॉर्न और आपातकालीन निकास व्यवस्था की बारीकी से पड़ताल की गई। साथ ही बसों के पंजीयन प्रमाणपत्र, बीमा, फिटनेस, परमिट और पीयूसी दस्तावेज भी जांचे गए। कार्रवाई के दौरान कई बसों में फायर सेफ्टी उपकरण खराब या मानकों के अनुरूप नहीं मिले। कुछ बसों में इमरजेंसी एग्जिट बंद पाए गए, जबकि मेडिकल किट भी उपलब्ध नहीं थी। कई बसें अवैध पार्किंग में खड़ी मिलीं। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 11 बसों को जब्त किया गया और दो बसों की फिटनेस निरस्त कर दी गई। वहीं आठ बसों से 80 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया, जबकि शेष तीन बसों से करीब डेढ़ लाख रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा। संयुक्त कार्रवाई में जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम ओमनारायण सिंह बड़कुल, आरटीओ प्रदीप शर्मा, एआरटीओ राजेश गुप्ता और उड़नदस्ता प्रभारी आकाश सिटोले सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बस चालकों और परिचालकों को हिदायत दी कि वे बसों में किसी भी प्रकार का ज्वलनशील पदार्थ न ले जाएं। साथ ही यात्रियों को भी आपातकालीन स्थिति में सुरक्षा उपायों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि बसों में यात्रियों को यह बताया जाना चाहिए कि इमरजेंसी एग्जिट कहां है और कांच तोड़ने वाला हैमर कहां रखा गया है। इसके अलावा बसों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करने के निर्देश दिए गए।

रणजीत टाइम्स

इंदौर में जल संकट पर कांग्रेस का बड़ा आंदोलन, 15 मई को शहर के 22 जोनल कार्यालयों पर प्रदर्शन

इंदौर। शहर में लगातार गहराते जल संकट को लेकर कांग्रेस अब सड़क पर उतरने जा रही है। इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी और नगर निगम कांग्रेस पार्षद दल ने 15 मई को पूरे शहर में एक साथ आंदोलन करने की घोषणा की है। इस दौरान शहर के सभी 22 जोनल कार्यालयों पर कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक प्रदर्शन कर नियमित एवं पर्याप्त जलापूर्ति की मांग करेंगे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने प्रेस वार्ता में नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इंदौर इस समय भीषण जल संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के कई हिस्सों में नर्मदा का पानी पहुंच ही नहीं रहा, जबकि जहां सप्लाई हो रही है वहां भी कम प्रेशर और दूषित पानी की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। चौकसे ने आरोप लगाया कि दूषित पानी की समस्या के कारण 35 लोगों की मौत के बाद भी नगर निगम स्थिति सुधारने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के कई इलाकों में लोग निजी टैंकरों और बोरिंग के भरोसे हैं। भीषण गर्मी के कारण बोरिंग सूख रही हैं और मोटरें खराब हो रही हैं, लेकिन नगर निगम के पास पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि निगम ने पूरे शहर में बोरिंग मोटर सुधारने का काम केवल एक ठेकेदार को सौंप रखा है, जिससे समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हो पा रहा। साथ ही जल वितरण में भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा गया कि वीआईपी इलाकों में ज्यादा समय और बेहतर प्रेशर से पानी दिया जा रहा है, जबकि आम जनता बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि 27 वर्षों के भाजपा शासन के बाद भी शहर के हर नागरिक तक नर्मदा का पानी नहीं पहुंच पाया है। इसी के विरोध में 15 मई को शहरव्यापी आंदोलन कर नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा।

ईवी की बातों से आगे नहीं बढ़ पा रहा निगम, एमआईसी सदस्य ई-स्कूटर से पहुंचे तो फिर उठे सवाल

● महापौर की 'ग्रीन निगम' घोषणा पर अमल अधूरा, करोड़ों के डीजल खर्च पर फिर छिड़ी बहस

इंदौर। शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने और नगर निगम के पेट्रोल-डीजल खर्च में कटौती के बड़े दावे अब सवालों के घेरे में दिखाई दे रहे हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पदभार संभालते समय निगम में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने और अधिकारियों को ईवी उपलब्ध कराने की घोषणा की थी, लेकिन यह योजना अब तक कागजों से आगे नहीं बढ़ पाई है। इसी बीच गुरुवार को निगम मुख्यालय में उस समय चर्चा तेज हो गई, जब एमआईसी सदस्य एवं जलकार्य समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा अपने निजी ई-स्कूटर से निगम कार्यालय पहुंचे। निगम परिसर में ईवी से पहुंचे प्रभारी को देखकर कई अधिकारी और पार्षद भी चर्चा करते नजर आए। अभिषेक शर्मा ने बताया कि उन्होंने करीब दो वर्ष पहले अपने निजी खर्च से लगभग डेढ़ लाख रुपये का इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदा था और उसी से वार्ड के दौरे से लेकर निगम मुख्यालय तक की आवाजाही करते हैं। उनका कहना है कि यदि जनप्रतिनिधि और अधिकारी ईवी अपनाएं तो निगम का ईंधन खर्च काफी हद तक कम हो सकता है। उन्होंने महापौर से मांग की कि अन्य विभागों की तर्ज पर नगर निगम में भी इलेक्ट्रिक कारों का उपयोग शुरू किया जाए। शर्मा के अनुसार निगम हर साल वाहनों पर करोड़ों रुपये डीजल और पेट्रोल में खर्च करता है, जबकि ईवी मॉडल अपनाने से खर्च में बड़ी बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। हालांकि निगम में ईवी को बढ़ावा देने की घोषणा के बाद अब तक कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आई है। न तो विभाग प्रमुखों को इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध कराए गए और न ही निगम के वाहन बेड़े में बड़े स्तर पर बदलाव हुआ।

ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या 'ग्रीन निगम' का सपना केवल घोषणाओं तक सीमित रह जाएगा। इधर, शहर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत विकसित कॉलोनियों में अब मूलभूत सुविधाओं पर भी काम शुरू किया जा रहा है। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय की योजना के तहत अटल उपवन, अबरोल पार्क सहित कई क्षेत्रों में नए पार्क विकसित किए जाएंगे, ताकि रहवासियों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं मिल सकें।

सियागंज की तंग सड़क पर गुमटियों का कब्जा, दुकानदारों में आक्रोश

● विरोध के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई, निगम अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल

इंदौर। शहर के सबसे व्यस्त व्यापारिक क्षेत्रों में शामिल सियागंज एक बार फिर अव्यवस्था और अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहा है। यहां पहले से ही संकरी सड़क और दिनभर खड़े रहने वाले लोडिंग वाहनों के कारण यातायात प्रभावित रहता है, लेकिन अब सड़क किनारे गुमटियां लगाए जाने से स्थिति और बिगड़ गई है। स्थानीय दुकानदारों और रहवासियों ने इसका विरोध किया, बावजूद इसके अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दुकानदारों का आरोप है कि नगर निगम के कुछ कर्मचारियों और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े लोगों की मिलीभगत से रातोंरात गुमटियां खड़ी कर दी गईं। यही वजह है कि लगातार शिकायतों के बाद भी इन्हें हटाने की कार्रवाई नहीं की जा रही। व्यापारियों का कहना है कि जिस सड़क से मुश्किल से छोटे वाहन निकल पाते हैं, वहां अब गुमटियों के कारण जाम की स्थिति बन रही है। व्यापारियों ने यह भी सवाल उठाया कि एक दिन पहले ही कालीगंज क्षेत्र में शिकायत मिलने पर निगम ने सड़क किनारे किया गया अतिक्रमण तत्काल हटा दिया था, लेकिन सियागंज के मामले में अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। इससे निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सियागंज की यह सड़क पहले ही लोडिंग-अनलोडिंग वाहनों से घिरी रहती है। यातायात पुलिस और निगम दोनों की अनदेखी के चलते यहां रोज जाम लगता है। अब गुमटियों के कारण पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। दुकानदारों का आरोप है कि कई बार मौखिक शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई से बच रहे हैं।

जुलाई तक नहीं उड़ेंगी स्टार एयर की फ्लाइट्स, इंदौर से मुंबई-गोंदिया सेवा फिर ठप

इंदौर। इंदौर से संचालित होने वाली स्टार एयर की उड़ानों को लेकर यात्रियों को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। एयरलाइंस ने मई के बाद अब जून और जुलाई की सभी फ्लाइट्स भी सिस्टम से हटा दी हैं। फिलहाल कंपनी की वेबसाइट और बुकिंग प्लेटफॉर्म पर अगस्त से ही टिकट बुकिंग दिखाई दे रही है। स्टार एयर इंदौर से मुंबई और गोंदिया के बीच सीधी उड़ान सेवा संचालित कर रही थी, लेकिन लगातार हो रही रद्दीकरण की स्थिति ने यात्रियों की चिंता बढ़ा दी है। एयरलाइन ने अप्रैल के मध्य में पहले 31 मई तक उड़ानें निरस्त की थीं और उम्मीद जताई जा रही थी कि जून से संचालन दोबारा शुरू हो जाएगा, लेकिन अब जून और जुलाई की उड़ानें भी पूरी तरह हटा दी गई हैं। जानकारी के अनुसार मुंबई से आने वाली फ्लाइट दोपहर 1.40 बजे इंदौर पहुंचती थी और यहां से 2.10 बजे गोंदिया के लिए रवाना होती थी। वहीं गोंदिया से शाम 5.20 बजे इंदौर पहुंचने के बाद फ्लाइट 5.50 बजे मुंबई के लिए उड़ान भरती थी। यह सेवा खासतौर पर गोंदिया और विदर्भ क्षेत्र के यात्रियों के लिए सुविधाजनक मानी जा रही थी। हालांकि कंपनी ने एक बार फिर 'ऑपरेशनल कारणों' का हवाला देते हुए सेवाएं बंद कर दी हैं। इससे पहले भी स्टार एयर कई बार इसी वजह से उड़ानें रद्द कर चुकी है। उल्लेखनीय है कि एयरलाइन ने लगभग एक साल तक गोंदिया और अहमदाबाद की सेवाएं बंद रखने के बाद 15 जनवरी से मुंबई-इंदौर-गोंदिया सेक्टर पर दोबारा संचालन शुरू किया था, लेकिन कुछ ही महीनों में सेवा फिर बंद हो गई।

गोंदिया यात्रियों की बढ़ी परेशानी

स्टार एयर की उड़ानें बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी गोंदिया जाने वाले यात्रियों को हो रही है। इंदौर से गोंदिया के लिए फिलहाल कोई दूसरी सीधी फ्लाइट उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यात्रियों को अब नागपुर या मुंबई होकर लंबा सफर तय करना पड़ रहा है। अगस्त से जो बुकिंग दिखाई जा रही है, उसके अनुसार कंपनी सप्ताह में तीन दिन – सोमवार, बुधवार और शनिवार – को उड़ानों का संचालन करने की योजना बना रही है। हालांकि यात्रियों के बीच इसे लेकर अभी भी संशय बना हुआ है कि सेवा वास्तव में कब तक नियमित हो पाएगी।

इंदौर का सराफा बाजार सहमा

कारोबारियों में बढ़ी चिंता; हजारों कारीगरों की रोजी-रोटी पर संकट

इंदौर। देश में आर्थिक चुनौतियों और वैश्विक तनाव के बीच प्रधानमंत्री Narendra Modi द्वारा सोना खरीदने से बचने और ईंधन की खपत कम करने की अपील का असर अब सीधे बाजारों में दिखाई देने लगा है। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर का सराफा बाजार इन दिनों गहरी चिंता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। शहर के छोटे-बड़े ज्वेलरी कारोबारी भविष्य को लेकर आशंकित हैं और बाजार में एक तरह का सन्नाटा पसरा हुआ है। कारोबारी खुलकर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं, लेकिन अंदर ही अंदर उन्हें डर सता रहा है कि यदि लंबे समय तक सोने की मांग में गिरावट रही तो हजारों लोगों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो जाएगा। इंदौर का सराफा बाजार सिर्फ मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अपनी अलग पहचान रखता है। यहां सोना-चांदी, हीरे-जवाहरात और आधुनिक ज्वेलरी का बड़ा कारोबार होता है। पिछले कुछ वर्षों में शहर में ज्वेलरी कारोबार तेजी से बढ़ा है। खासकर एमजी रोड, एबी रोड और शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में कई बड़े और आलीशान शोरूम खुले हैं। दीपावली, पुष्य नक्षत्र, अक्षय तृतीया, करवा चौथ और शादी के सीजन में यहां ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिलती थी, लेकिन अब हालात बदलते दिखाई दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री द्वारा एक वर्ष तक सोना न खरीदने की अपील के बाद कारोबारियों में बेचैनी बढ़ गई है। सराफा व्यापार से जुड़े लोगों का कहना है कि पहले ही बाजार कई संकटों से गुजर चुका है। जीएसटी लागू होने के बाद कारोबारियों को नई कर व्यवस्था से जूझना पड़ा। इसके बाद कोविड महामारी ने व्यापार की कमर तोड़ दी। अब वैश्विक हालात और सरकार की अपील ने बाजार को नई मुश्किल में डाल दिया है। व्यापारियों का कहना है कि बीते कुछ महीनों में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय तनाव, खासकर ईरान-इजराइल और अमेरिका से जुड़े घटनाक्रमों के कारण वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। इसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचीं, हालांकि बाद में इनमें कुछ गिरावट भी आई, लेकिन महंगाई और अनिश्चितता के कारण ग्राहक खरीदारी से बच रहे हैं।

इंदौर के सराफा कारोबारियों के अनुसार सबसे बड़ी चिंता मांग में लगातार आती गिरावट को लेकर है। बाजार से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि पूरे साल बिक्री कमजोर रही तो छोटे कारोबारियों के लिए दुकान चलाना मुश्किल हो जाएगा। बड़े शोरूमों की स्थिति भी आसान नहीं रहेगी, क्योंकि उनके संचालन में हर महीने लाखों रुपए का खर्च आता है। भारी बिजली बिल, कर्मचारियों का वेतन, सुरक्षा व्यवस्था और महंगा स्टॉक बनाए रखना बड़ी चुनौती बन सकता है।

सराफा बाजार में काम करने वाले कारीगरों की स्थिति सबसे ज्यादा चिंता का विषय बनती जा रही है। इंदौर में करीब 20 हजार से अधिक कारीगर ज्वेलरी निर्माण, डिजाइनिंग, पॉलिशिंग, नग जड़ाई और अन्य कार्यों से जुड़े हुए हैं। इनमें बड़ी संख्या पश्चिम बंगाल से आए कारीगरों की है, जो वर्षों से यहां रहकर काम कर रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि बिक्री घटने से अब काम कम मिलने लगा है और कई कारीगर अपने गृह राज्य लौटने को मजबूर हो गए हैं।

व्यापारियों के मुताबिक कुछ कारीगर पहले ही इंदौर छोड़कर वापस पश्चिम बंगाल जा चुके हैं। आने वाले महीनों में यदि हालात नहीं सुधरे तो यह संख्या और बढ़ सकती है। इसका असर सिर्फ कारीगरों पर ही नहीं, बल्कि उनसे जुड़े परिवारों और पूरे स्थानीय व्यापारिक तंत्र पर पड़ेगा। सराफा बाजार में करीब डेढ़ हजार से ज्यादा छोटी-बड़ी दुकानें संचालित होती हैं। वहीं सराफा एसोसिएशन से जुड़े सदस्यों की संख्या भी सैकड़ों में है। इसके अलावा शहर में पिछले कुछ वर्षों में खुले बड़े ज्वेलरी शोरूमों में सैकड़ों कर्मचारी कार्यरत हैं। कई बड़े शोरूमों में 100 से अधिक स्टाफ सदस्य काम करते हैं। यदि बिक्री में लगातार गिरावट जारी रही तो कर्मचारियों की छंटनी की नौबत आ सकती है। कारोबारियों का कहना है कि आमतौर पर मानसून और शादी का सीजन न होने के दौरान बाजार थोड़ा धीमा रहता है, लेकिन त्योहारों और वैवाहिक सीजन में उसकी भरपाई हो जाती है। इस बार चिंता इस बात की है कि अगर ग्राहकों ने लंबे समय तक सोना खरीदना कम कर दिया तो त्योहारी सीजन का असर भी फीका पड़ सकता है। इंदौर के बाजारों में फिलहाल ग्राहकों की संख्या पहले की तुलना में कम दिखाई दे रही है। कई दुकानदारों का कहना है कि लोग सिर्फ डिजाइन देखने आ रहे हैं, लेकिन खरीदारी करने से बच रहे हैं।

अस्पताल का शीशा फोड़कर दहशत फैलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

सलीम हुसैन

दिनांक 12/05/2026 की रात्रि में शासकीय अस्पताल झकनावदा में अज्ञात बदमाश द्वारा अस्पताल परिसर के पीछे स्थित खिड़की पर पत्थर फेंककर कांच फोड़ने की घटना को अंजाम दिया गया था। उक्त घटना से अस्पताल स्टाफ एवं कस्बे में दहशत का माहौल निर्मित हो गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस चौकी झकनावदा द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए लगातार दो दिनों तक अस्पताल एवं आसपास क्षेत्र में रहने वाले लोगों से पूछताछ की गई। साथ ही अस्पताल एवं आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज भी खंगाले गए।

पुलिस के अथक प्रयास एवं तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। जांच में सामने आया कि अस्पताल का शीशा फोड़कर सनसनी फैलाने वाला व्यक्ति कोई बाहरी

बदमाश नहीं, बल्कि अस्पताल में कार्यरत आउटसोर्स सफाई कर्मचारी प्रवीण पिता धनराज चरण, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम रूपाखेड़ा है। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई।

थाना कोतवाली झाबुआ को बड़ी सफलता, शातिर नकबजन चोरी की मोटर सायकल सहित पुलिस संरक्षण में, पूछताछ में अन्य चोरी की वारदातें कबूली

सलीम हुसैन

थाना कोतवाली झाबुआ पुलिस ने चोरी एवं नकबजनी की घटनाओं के खुलासे में बड़ी सफलता प्राप्त की है। दिनांक 12.05.2026 को फरियादी हुकुम कुमार पिता दयाराम पंवार निवासी लक्ष्मी नगर, झाबुआ द्वारा राजवाड़ा स्थित न्यू सुपर मैक्स सैलून में हुई नकबजनी की रिपोर्ट थाना कोतवाली झाबुआ में दर्ज कराई गई थी। उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार पाटीदार द्वारा चोरी का शीघ्र खुलासा करने हेतु सख्त निर्देश दिए गए। निरीक्षक आर.सी. भास्करे, थाना प्रभारी थाना कोतवाली झाबुआ के नेतृत्व में विशेष टीमें गठित की गई। टीम द्वारा कस्बा झाबुआ के विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी कैमरों का गहन निरीक्षण किया गया। इसी दौरान दिनांक 14.05.2026 को विधि विरुद्ध बालक को चोरी की मोटर सायकल सहित पुलिस संरक्षण में लिया गया। पूछताछ करने पर उसने फरियादी हुकुम पंवार की दुकान में चोरी करना स्वीकार किया तथा चोरी गई नगदी भी बरामद कराई।

जप्त सामग्री - एक मोटरसाइकिल कीमती 1,00,000/-

विधि विरुद्ध बालक से अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है तथा अन्य चोरी की घटनाओं के खुलासे की संभावना है। इस उल्लेखनीय कार्यवाही में निरीक्षक आर.सी. भास्करे, सउनि. ज्ञानबहादुर, सउनि. के.के. तिवारी, आरक्षक क्रमांक 493 गणेश का विशेष योगदान रहा।

शिवपुरी: नाबालिग का अपहरण कर ले गया युवक

24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत खैरापति कॉलोनी से एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है। पीड़ित मां ने क्षेत्र के ही एक युवक पर अपनी बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न होने से परिजनों में भारी आक्रोश है।

क्या है पूरा मामला?-प्राप्त जानकारी के अनुसार, खैरापति कॉलोनी की निवासी सीमा जाटव ने बताया कि उनकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी आशा जाटव को कल शाम करीब 4 बजे मोहित सोनी नामक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। पीड़ित मां का आरोप है कि युवक ने फोन पर संपर्क कर स्वीकार किया है कि वह लड़की को भगा ले गया है और उसे वापस नहीं लाएगा। इतना ही नहीं, युवक द्वारा परिजनों को डराने-धमकाने की बात भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि युवक वर्तमान में झांसी में होने का दावा कर रहा है।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल-परिजनों का कहना है कि उन्होंने घटना के तुरंत बाद देहात थाने में शिकायत दर्ज कराई और लड़की की फोटो सहित सभी आवश्यक दस्तावेज पुलिस को सौंप दिए हैं। बावजूद इसके, 24 घंटे बीत जाने के बाद भी अब तक पुलिस के हाथ खाली हैं। पीड़ित मां का कहना है कि थाने से उन्हें अभी तक कोई संतोषजनक आश्वासन या कार्रवाई की सूचना नहीं मिली है। "मेरी बेटी अभी नाबालिग है। मोहित सोनी उसे कल 4 बजे से ले गया है और अब धमकी दे रहा है। हमने थाने में फोटो और शिकायत दे दी है, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।"

सीमा जाटव (पीड़ित माँ)

प्रशासन से गुहार-परिजनों ने जिला प्रशासन और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मांग की है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल टीम गठित की जाए और उनकी नाबालिग बेटी को सुरक्षित वापस लाया जाए।

मुख्य बिंदु:

पीड़ित: आशा जाटव (16 वर्ष)

आरोपी: मोहित सोनी

स्थान: खैरापति कॉलोनी, देहात थाना क्षेत्र, शिवपुरी

स्थिति: 24 घंटे से लापता, परिजनों का आरोप- पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई।

सहज योग: आत्मिक उन्नति का मार्ग

नियमित ध्यान आत्मिक प्रगति का आधार है। यदि हम ध्यान नहीं करते, तो अपने भीतर विद्यमान शक्ति, शांति और आनंद का वास्तविक अनुभव नहीं कर पाते। सहज योग हमें स्वयं को जानने तथा अपनी कुंडलिनी की जागृति और उसकी शीतल स्पंदनों को अनुभव करने का अवसर प्रदान करता है। हमें आलस्य और आत्म-संतोष को त्याग कर निरंतर आत्मचिंतन एवं आत्म-सुधार की ओर अग्रसर रहना चाहिए। दूसरों की कमियाँ देखने या उनके विषय में नकारात्मक बोलने के बजाय हमें अपने व्यक्तित्व को निखारने पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि हम सभी एक ही परम चेतना के अभिन्न अंग हैं। सहज योग प्रेम, एकता और सामूहिकता का मार्ग है।

जब हम मिलकर सकारात्मक भाव और निर्मल हृदय से कार्य करते हैं, तब कठिन से कठिन कार्य भी सहज हो जाते हैं। इसलिए हमें एक-दूसरे का सम्मान करना, सहयोग करना तथा सदैव मधुरता और विनम्रता बनाए रखना चाहिए। यही एक सच्चे साधक और संत के गुण हैं। आइए, इन अनमोल आध्यात्मिक

गुणों का अनुभव करें और अपनी आत्मा का योग परमात्मा से स्थापित करें। सहज योग पूर्णतः एवं सदैव निःशुल्क है। अपने आत्म-साक्षात्कार की प्राप्ति हेतु आप अपने नजदीकी सहज योग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

भीषण गर्मी में अखबार वितरक संघ ने वाटर पार्क में उठाया पारिवारिक पिकनिक का आनंद

कोरबा। छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ द्वारा रविवार को कोरबा स्थित अप्पू गार्डन वाटर पार्क में पारिवारिक मिलन एवं मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बीच संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं उनके परिवारों ने वाटर पार्क में स्विमिंग और विभिन्न वाटर एक्टिविटीज का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह चंदेल, वरिष्ठ पत्रकार कीर्ति अग्रवाल, जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, सचिव जयसिंह नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर एवं सहसचिव रायसिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर रामा, कृष्ण निर्मलकर, तपेश्वर राठौर, राजकुमार पटेल, दिलीप यादव, हर्ष नेताम, राहुल, पप्पू, अनिल गिरी, विजय, ओमकार, दीपक सहित बड़ी संख्या में संघ के सदस्य एवं उनके परिवारजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने आपसी सौहार्द, भाईचारे और पारिवारिक

माहौल में समय बिताया। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन से सदस्यों के बीच आपसी समन्वय और संगठनात्मक एकता मजबूत होती है।

शिवपुरी: देहात थाने पर बजरंग दल का प्रदर्शन

नाबालिग हिंदू लड़की के अपहरण और धर्मांतरण की कोशिश का आरोप

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी, मध्य प्रदेश: शिवपुरी के देहात थाना क्षेत्र में उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक नाबालिग हिंदू लड़की के कथित अपहरण और जबरन धर्मांतरण के विरोध में थाने का घेराव किया।

क्या है पूरा मामला? पीड़ित परिवार और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के अनुसार, शिवपुरी की रहने वाली एक नाबालिग लड़की को करीब एक महीने पहले (9 अप्रैल के आसपास) साहिल खान नाम के युवक और उसके साथियों ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया था।

मुख्य आरोप: जबरन बंधक बनाना: लड़की को ग्वालियर और बबीना (यूपी) जैसे अलग-अलग शहरों में बंधक बनाकर रखा गया।

धर्मांतरण का दबाव: आरोप है कि लड़की पर जबरन इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव डाला गया और उसे प्रतिबंधित मांस खिलाया गया। शारीरिक और

मानसिक शोषण: पीड़ित लड़की ने बताया कि उसके साथ गंभीर रूप से मारपीट और शोषण किया गया।

षड्यंत्र में अन्य की भूमिका: बजरंग दल के नेताओं का आरोप है कि इस पूरे मामले में साहिल के परिवार की महिलाएं और कुछ स्थानीय लोग भी शामिल हैं।

पुलिस की कार्रवाई- काफी मशक्कत के बाद, लड़की को उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के बबीना से बरामद किया गया है। वर्तमान में पुलिस लड़की का बयान दर्ज कर रही है और मामले की गहराई से जांच कर रही है।

बजरंग दल की चेतावनी-

थाने के बाहर प्रदर्शन कर रहे बजरंग दल के पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग "पत्रकारिता की आड़ में" ऐसे अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं, जिनकी जांच होनी चाहिए। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि न्याय नहीं मिला, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। "बच्ची बहुत डरी हुई है और उसने अपनी आपबीती बताते हुए रो-रोकर अपना हाल सुनाया है। हम हिंदू समाज की बेटियों के साथ ऐसा अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे।" » — प्रदर्शनकारी बजरंग दल कार्यकर्ता

किसानों की सुविधाओं को लेकर विधायक प्रताप ग्रेवाल सख्त, संदला गेहूं उपार्जन केंद्र का किया औचक निरीक्षण

तौल कांटे बढ़ाने, पर्याप्त हम्माल एवं बारदान उपलब्ध कराने के दिए निर्देश, किसानों की समस्याएं सुनीं

दिलीप पाटीदार

संदला। किसानों को गेहूं उपार्जन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसे लेकर विधायक प्रताप ग्रेवाल ने संदला वेयर हाउस पर राजोद एवं संदला सहकारी संस्था के स्थित गेहूं उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के समय विधायक ने उपार्जन केंद्र पर किसानों से सीधे चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों ने तौल में हो रही देरी, हम्मालों की कमी तथा बारदान की अपर्याप्त उपलब्धता जैसी समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। इस पर विधायक ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए। किसानो की समस्या हल करने के लिए विधायक प्रताप ग्रेवाल द्वारा नायब तहसीलदार प्रशस्तिसिंह जमरा, सरदारपुर वैयर हाउस प्रभारी मुकेश मित्तल, गेंहू उपार्जन केन्द्र प्रभारी दिलीप वैष्णव को तौल कांटो, हम्माल एवं बारदानो की संख्या बढाने के निर्देश दिए। किसानो द्वारा उपार्जन केन्द्र पर पानी एवं बैठक व्यवस्था सुचारू रूप से नही होने की समस्या भी विधायक प्रताप ग्रेवाल को बताई जिस पर विधायक ग्रेवाल ने संबंधित अधिकारियो को व्यवस्था मे सुधार करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्रसिंह राठौर, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष अरविंद जाट, सेवादल कांग्रेस के भारत वीर, मोहित जाट, श्रवण जाट, जयंतीलाल जाट, राहुल जाट आदि उपस्थित रहे।

एआईजे के बढ़ते गौरवशाली कदम : सेवा, सम्मान और जनकल्याण का प्रेरणादायी अभियान

सलीम हुसैन

झाबुआ। भारतीय पत्रकार संघ (AIJ) निरंतर सामाजिक सरोकारों, जनहित और सकारात्मक पत्रकारिता के माध्यम से समाज में सेवा एवं संवेदनशीलता की नई मिसाल स्थापित कर रहा है। देश भर के 600 से अधिक जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सद्भावना के क्षेत्र में विगत 12 वर्षों से सतत सक्रिय एआईजे ने एक बार पुनः अपने जनहितैषी कार्यों से समाज में प्रेरणादायी संदेश दिया। मध्यप्रदेश प्रशासन में अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली, संवेदनशील प्रशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण के लिए पहचान रखने वाले झाबुआ कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार का सम्मान एआईजे झाबुआ जिला इकाई द्वारा गरिमामयी वातावरण में किया गया।

यह सम्मान समारोह भारतीय पत्रकार संघ (AIJ) के यूथ विंग नेशनल चेयरमैन ऊर्जावान युवा संदीप जैन सलीम हुसैन लक्की शर्मा राकेश पोद्दार तथा स्नेहिल जिलाध्यक्ष प्रकाश पड़ियार के सबल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार का प्रेरणादायी प्रशासनिक सफर यह सिद्ध करता है कि यदि सेवा, समर्पण और जनहित की भावना के साथ कार्य किया जाए तो प्रशासन केवल शासन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का सशक्त आधार बन सकता है। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों की प्रेरणा और सकारात्मक सोच से प्रेरित होकर टीम एआईजे ने झाबुआ जिला चिकित्सालय में सेवाएं दे रहे चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं समस्त कर्मचारियों का भी सम्मान किया। स्वास्थ्य सेवाओं में दिन-रात समर्पण के साथ कार्य कर रहे चिकित्साकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए एआईजे परिवार ने उन्हें समाज के वास्तविक सेवक बताया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय में उपचाररत मरीजों को फल एवं बिस्किट्स का वितरण भी सद्भावना एवं मानव सेवा के भाव के साथ किया गया। मरीजों एवं उनके परिजनों ने एआईजे की इस संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए इसे मानवीय मूल्यों को सशक्त करने वाला प्रयास बताया।

कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में एआईजे पदाधिकारी एवं पत्रकार साथी उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान सामाजिक एकता, सेवा और सद्भावना का प्रेरणादायी वातावरण बना रहा। उल्लेखनीय है कि भारतीय पत्रकार संघ (AIJ) विगत 12 वर्षों से क़रीब 22 राज्यों में शिक्षा,

स्वास्थ्य, पत्रकार हित एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। पत्रकार जगत के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य सहायता तथा प्रतिभा सम्मान जैसे अनेक जनहितकारी कार्य एआईजे की विशेष पहचान बन चुके हैं। एआईजे की सेवा, सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व की यह गौरवशाली यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति विशेष सद्भावना की इसी अनंत श्रृंखला में एक और भव्य आयोजन का समापन सदैव की परंपरा अनुसार शानदार स्नेह भोज के साथ आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ।

कैंपस में नर्मदा की टंकी, फिर भी प्यासा डीएवीवी

- 14 हजार छात्रों के लिए रोज मंगवाने पड़ रहे 20 टैंकर, दो साल से अटका जल कनेक्शन

इंदौर। देवी अहिल्याविश्वविद्यालय के तक्षशिला परिसर में भीषण जल संकट गहराता जा रहा है। विडंबना यह है कि जिस कैंपस से नगर निगम शहर के कई हिस्सों में नर्मदा जल की आपूर्ति कर रहा है, उसी विश्वविद्यालय परिसर को अब तक नर्मदा का कनेक्शन नहीं मिल पाया है। परिसर में नगर निगम की करीब 25 लाख लीटर क्षमता वाली पानी की टंकी मौजूद है, लेकिन विश्वविद्यालय के छात्र और कर्मचारी पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार कैंपस में संचालित 36 विभागों, 13 हॉस्टलों और 200 से अधिक आवासीय मकानों में रहने वाले करीब 14 हजार छात्रों और कर्मचारियों की जरूरत पूरी करने के लिए रोजाना लगभग 20 टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। गर्मी बढ़ने के साथ बोरिंग का जलस्तर भी नीचे चला गया है और कई बोरिंग सूख चुकी हैं। प्रबंधन का कहना है कि पिछले दो वर्षों में नर्मदा जल कनेक्शन के लिए दो बार आवेदन किया गया, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। पिछले वर्ष वीसी बंगले और गर्ल्स हॉस्टल के पास संपवेल का निर्माण भी कराया गया था ताकि पानी मिलने पर भंडारण किया जा सके। नगर निगम की टीम ने सर्वे भी किया, लेकिन अब तक औपचारिक कार्रवाई नहीं हुई। विश्वविद्यालय प्रशासन ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि बिना अनुमति कैंपस में अमृत-2 योजना के तहत नई पानी की टंकी का निर्माण शुरू कर दिया गया, लेकिन विश्वविद्यालय को अब तक जल कनेक्शन नहीं दिया गया। रजिस्ट्रार प्रज्वल खरे ने कहा कि कैंपस में टंकी होने के बावजूद पानी नहीं मिलना चिंताजनक है। वहीं नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर आशीष पाठक ने कहा कि बल्क कनेक्शन के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा।

जनगणना कार्य में लगे लोक सेवकों का बीमा कराने की मांग

इंदौर। जनगणना 2027 के कार्य में संलग्न सभी लोक सेवकों का बीमा कराए जाने की मांग केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार से की है। शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के जिलाध्यक्ष दिनेश परमार ने कहा कि जनगणना के प्रथम चरण में शिक्षक और अन्य विभागों के कर्मचारी भीषण गर्मी के बीच घर-घर जाकर मकान गणना और नजरी नक्शा तैयार करने का कार्य कर रहे हैं। इसके बाद फरवरी 2027 में द्वितीय चरण के तहत परिवार गणना का कार्य भी इन्हीं कर्मचारियों को करना होगा। बड़ी संख्या में शिक्षक वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं की ड्यूटी भी निभा रहे हैं। ऐसे में लगातार मैदानी कार्य और तेज गर्मी के कारण कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। दिनेश परमार ने कहा कि भीषण गर्मी में किसी भी लोक सेवक के साथ अनहोनी होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए सरकार को जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों, सुपरवाइजरों, चार्ज अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों का बीमा कराने की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में उन्हें सुरक्षा मिल सके।

17 मई को होगी सहायक कुल सचिव परीक्षा-2025

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक कुल सचिव परीक्षा-2025 का आयोजन 17 मई को किया जाएगा। यह परीक्षा ऑफलाइन पद्धति से दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक प्रदेश के चार संभागीय मुख्यालयों के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर होगी। परीक्षा को निर्विघ्न, सुव्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से कराने के लिए आयोग ने त्रिस्तरीय सुरक्षा और जांच व्यवस्था लागू की है। इसके तहत परीक्षार्थियों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग और एचएचएमडी (हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर) के माध्यम से जांच की जाएगी। आयोग के अनुसार पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुरुष वीक्षक और महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला वीक्षकों द्वारा की जाएगी। वहीं ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वे अपनी फ्रिस्किंग महिला या पुरुष कर्मचारियों में से किसी से भी करवा सकेंगे। सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम 90 मिनट पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य होगा। आयोग ने निर्देश दिए हैं कि जांच प्रक्रिया और प्रवेश व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए परीक्षार्थी समय से पहले केंद्र पर पहुंचे, ताकि परीक्षा संचालन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

भर्ती परीक्षा के लिए छुट्टी नहीं मिलने पर नर्सों में नाराजगी

बॉम्बे हॉस्पिटल प्रबंधन पर कार्रवाई की चेतावनी देने के आरोप

इन्दौर। बाम्बे अस्पताल में कार्यरत नर्सों ने अस्पताल प्रबंधन पर मनमानी के आरोप लगाए हैं। नर्सिंग ऑफिसर और सिस्टर ट्यूटर भर्ती परीक्षा 2026 में शामिल होने जा रही कई नर्सों का कहना है कि उन्हें परीक्षा देने के लिए अवकाश नहीं दिया जा रहा है। साथ ही ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर कार्रवाई और हॉस्टल खाली कराने तक की चेतावनी दी जा रही है। जानकारी के अनुसार अस्पताल की 30 से 35 नर्सों ने सरकारी भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन किया है। परीक्षा 15 मई को आयोजित होगी। कई नर्सों के परीक्षा केंद्र भोपाल सहित अन्य शहरों में बनाए गए हैं, जिसके चलते उन्हें यात्रा और परीक्षा में शामिल होने के लिए छुट्टी की जरूरत है। नर्सों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने अवकाश देने से इनकार कर दिया है। कर्मचारियों के मुताबिक नर्सिंग सुपरिटेंडेंट की ओर से जारी एक ऑडियो संदेश में कहा गया कि जो कर्मचारी परीक्षा देने जाएंगे, वे अपनी जिम्मेदारी पर जाएं और ड्यूटी व्यवस्था में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। हॉस्टल में रहने वाली नर्सों को भी सख्त संदेश भेजे जाने की बात सामने आई है। इसमें कहा गया कि 14 और 15 मई को किसी कर्मचारी को नाइट पास नहीं दिया जाएगा। यदि कोई ड्यूटी से अनुपस्थित पाया गया तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और हॉस्टल खाली कराना पड़ सकता है। नर्सों का कहना है कि सरकारी नौकरी की तैयारी करना उनका अधिकार है, लेकिन दबाव बनाकर उन्हें परीक्षा से दूर रखने की कोशिश की जा रही है।

सेवाएं प्रभावित होगी

बड़ी संख्या में नर्सों के एक साथ अवकाश पर जाने से अस्पताल की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। किसी को परीक्षा देने से नहीं रोका गया है, लेकिन विशेष अवकाश देना संभव नहीं है।

-राहुल पाराशर, डायरेक्टर बाम्बे अस्पताल

पानी संकट को लेकर कांग्रेस नेताओं ने थाने पहुंचकर मांगी FIR

इंदौर। शहर के वार्ड क्रमांक 65 और 66 में गहराए जल संकट को लेकर क्षेत्रीय नागरिकों एवं कांग्रेस नेताओं ने जूनी इंदौर थाना पहुंचकर 'गुमशुदा पानी' की तलाश करने और मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की। जिला कांग्रेस सेवादल के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल और ब्लॉक क्रमांक 14 अध्यक्ष गिरीश जोशी ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कई दिनों से नलों, टंकियों और पाइप लाइनों से पानी की सप्लाई बंद है, जिससे नागरिक भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। लोगों को पीने और दैनिक उपयोग के लिए निजी टैंकरों से महंगे दामों पर पानी खरीदना पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि जल सप्लाई बाधित होने के बावजूद नगर निगम इंदौर द्वारा जलकर और पानी के बिल लगातार वसूले जा रहे हैं। नागरिकों ने सवाल उठाया कि जब घरों तक पानी पहुंच ही नहीं रहा, तो शहर का पानी आखिर जा कहां रहा है। कांग्रेस नेताओं ने थाना प्रभारी अनिल गुप्ता को आवेदन सौंपकर मांग की कि पानी 'गुमशुदा' होने के मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच की जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही वार्ड 61, 65 और 66 में तत्काल नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा प्रभावित नागरिकों को पानी के बिल एवं जलकर में राहत देने की मांग भी की गई।

एमपी बोर्ड की बड़ी लापरवाही: रात में बदला टाइम-टेबल, सुबह परीक्षा केंद्र पहुंचे छात्र लौटे मायूस

इंदौर। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। 10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षाओं के बीच अचानक समय-सारिणी में बदलाव कर दिए जाने से गुरुवार सुबह इंदौर सहित प्रदेशभर में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। कई विद्यार्थी कृषि, होम साइंस और अकाउंटेंसी का पेपर देने पूरी तैयारी के साथ परीक्षा केंद्र पहुंचे, लेकिन वहां पहुंचकर उन्हें पता चला कि परीक्षा स्थगित कर दी गई है। सबसे हैरानी की बात यह रही कि मंडल ने परीक्षा स्थगन का आदेश देर शाम जारी किया, लेकिन इसकी जानकारी अधिकांश विद्यार्थियों और अभिभावकों तक समय पर नहीं पहुंच सकी। नतीजा यह हुआ कि भीषण गर्मी और लू के बीच छात्र सुबह-सुबह परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे और फिर निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

39 परीक्षा केंद्रों पर गफलत, गर्मी में भटके छात्र- इंदौर के 39 परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही भ्रम की स्थिति बनी रही। कई विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों से 20 से 25 किलोमीटर का सफर तय कर शहर पहुंचे थे। केंद्रों पर लगे नोटिस देखकर छात्रों और अभिभावकों के होश उड़ गए। अभिभावक कन्हैया पाटीदार ने नाराजगी जताते हुए कहा कि 'भीषण गर्मी में बच्चे को परीक्षा दिलाने लाए, लेकिन यहां आकर पता चला कि पेपर आगे बढ़ा दिया गया है। प्रशासन को कम से कम दो दिन पहले सूचना देना चाहिए थी। आखिर अचानक परीक्षा टालने की वजह क्या है? '

बिना पूर्व सूचना बढ़ी परेशानी- मंडल द्वारा जारी आदेश के अनुसार 14 मई को होने वाली परीक्षा अब 19 मई को और 21 मई की परीक्षा 26 मई को आयोजित की जाएगी। लेकिन आदेश देर शाम आने के कारण स्कूलों और प्रशासन के पास सूचना प्रसारित करने का पर्याप्त समय नहीं रहा। इसका खामियाजा सीधे विद्यार्थियों को भुगतना पड़ा। जिला शिक्षा अधिकारी शक्ति स्वामी भार्गव ने कहा कि मंडल स्तर से प्राप्त निर्देशों का पालन किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक आदेश देर से मिलने के कारण सूचना का व्यापक प्रसार नहीं हो सका।

विद्यार्थियों को चार स्तर पर झटका- सूचना तंत्र फेल - अधिकांश छात्रों तक परीक्षा स्थगन की जानकारी समय पर नहीं पहुंची।

भीषण गर्मी का असर — बढ़ते तापमान और लू के बीच छात्र सुबह से केंद्रों पर पहुंचे।

मानसिक दबाव — पूरी तैयारी के बाद अचानक परीक्षा टलने से छात्रों का मानसिक संतुलन प्रभावित हुआ।

सवालों के घेरे में माशिमं की व्यवस्था- इस पूरे घटनाक्रम ने माशिमं की सूचना प्रणाली और प्रशासनिक समन्वय पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परीक्षा जैसे संवेदनशील विषय में अंतिम समय पर बदलाव और उसकी समय पर जानकारी न पहुंचना विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ माना जा रहा है। अभिभावकों का कहना है कि यदि परीक्षा स्थगित करनी ही थी तो कम से कम पर्याप्त समय पहले सूचना जारी की जानी चाहिए थी, ताकि छात्रों को इस परेशानी से बचाया जा सके।

लाजियो को 2-0 से हराकर इंटर मिलान ने

10वीं बार जीता कोप्पा इटालिया का खिताब

रोम। इंटर मिलान ने लाजियो पर 2-0 से जीत के साथ अपना दसवां कोप्पा इटालिया फुटबॉल खिताब जीता। इस जीत के साथ ही इंटर मिलान ने इस सीजन का ऐतिहासिक 'डोमेस्टिक डबल' पूरा किया। इंटर मिलान ने इसी साल मई में तीन मुकाबले बाकी रहते हुए 21वां सीरी ए के खिताब को अपने नाम किया था। टीम के लिए पहला गोल मार्कस थुरम ने किया। फेडेरिको डिमार्को के कॉर्नर पर मार्कस थुरम का शानदार हेडर लाजियो के खिलाड़ी एडम मारुसिक से टकराकर गोल पोस्ट में चला गया। इसके बाद मैच के 35वें मिनट में इंटर मिलान ने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। पेनल्टी बॉक्स से दिए गए डेनजेल डमफ्रीज के शानदार पास को लुटारो मार्टिनेज ने खाली पड़े गोल पोस्ट में पहुंचाया।

डेपोर्टिवो अलावेस ने एफसी बार्सिलोना को 1-0 से हराया

मैड्रिड। ला लीगा का खिताब अपने नाम करने वाली एफसी बार्सिलोना को डेपोर्टिवो अलावेस के खिलाफ टूर्नामेंट में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। ला लीगा का खिताब जीतने का जश्न मनाने का असर इस मुकाबले में बार्सिलोना के प्रदर्शन में साफतौर पर नजर आया। टीम मैच में संघर्ष करती हुई नजर आई। मैच का एकमात्र गोल पहले हाफ के आखिरी प्ले में इब्राहिम डायबेट ने किया। अलावेस के स्ट्राइकर ने एरिया के अंदर लेऑफ का फायदा उठाते हुए गोलकीपर स्जेसनी को छकाते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। इस जीत के साथ ही अलावेस अब सबसे निचले स्थान पर मौजूद तीन टीमों की लिस्ट से ऊपर उठ गई है। रिलेगेशन जोन से बाहर निकलने के लिए प्वाइंट्स जुटाने की कोशिश में लगी मेजबान टीम धीरे-धीरे मैच में अपनी पकड़ बनाई। गोलकीपर स्जेसनी को लगातार बचाव करने पड़े, लेकिन पहले हाफ की आखिरी किक को वो गोल पोस्ट के अंदर जाने से नहीं रोक सके।

कोहली ने पाकिस्तानी खिलाड़ी साहिबजादा फरहान समेत 4 बैटर का यह रिकॉर्ड तोड़ा

ध्वस्त किया गेल का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। विराट कोहली ने आईपीएल 2026 के 57वें मैच में केकेआर के खिलाफ गजब की पारी खेली और शतक (नाबाद 105 रन) लगाया।

केकेआर के खिलाफ पहले दो मैचों में डक पर आउट होने वाले कोहली ने क्या गजब की वापसी की और अपने आईपीएल करियर का 9वां शतक लगा दिया। यही नहीं ये कोहली को टी20 क्रिकेट करियर का 10वां शतक भी रहा। कोहली ने इस शतकीय पारी के दम पर पाकिस्तानी खिलाड़ी साहिबजादा फरहान समेत 4 बैटर्स का यह रिकॉर्ड तोड़ा जबकि क्रिस गेल के वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया।

टी20 क्रिकेट में 14,000 रन भी पूरे किए

कोहली ने केकेआर के खिलाफ अपनी नाबाद 105 रन की पारी के दौरान टी20 क्रिकेट में 14,000 रन भी पूरे किए। वो अब टी20 प्रारूप में सबसे कम पारियों में 14 हजार रन बनाने वाले बैटर बने। उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने ये कमाल 423 पारियों में किया था जबकि कोहली ने ऐसा सिर्फ 409 पारियों में किया।

कोहली ने डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली जिन्होंने टी20 में 10 शतक लगाए थे

कोहली ने केकेआर के खिलाफ जो शतक लगाया ये उनके टी20 करियर का 10वां शतक रहा। उन्होंने साहिबजादा फरहान, अभिषेक शर्मा, क्विंटन डिकॉक और रिली रोसो को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने टी20 क्रिकेट में अब तक 9-9 शतक लगाए हैं। कोहली ने डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली जिन्होंने टी20 में 10 शतक लगाए थे और इस प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में वॉर्नर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर आ गए।

सबसे कम पारियों में 14 हजार रन

- 409 पारी - विराट कोहली
- 431 पारी - डेविड वॉर्नर
- 505 पारी - एलेक्स हेल्स
- 423 पारी - क्रिस गेल
- 468 पारी - जोस बटलर
- 633 पारी - कीरोन पोलार्ड

कोहली ने रोहित की कर ली बराबरी

केकेआर के खिलाफ नाबाद 105 रन की पारी खेलने वाले कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आईपीएल में ये उनका 21वां प्लेयर ऑफ द मैच खिताब रहा और उन्होंने रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। इस लीग में वो अब रोहित के साथ सबसे ज्यादा बार ये खिताब जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। दूसरे नंबर पर एमएस धोनी हैं।

सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच खिताब जीतने वाले भारतीय

21 - विराट कोहली
21 - रोहित शर्मा
18 - एमएस धोनी
17 - रवींद्र जडेजा
17 - केएल राहुल
16 - यूसुफ पठान

आईपीएल में 9वें शतक के साथ विराट कोहली ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

आईपीएल 2026 के 57वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 6 विकेट से हराया। आरसीबी की इस जीत के नायक विराट कोहली रहे, जिन्होंने 105 रनों की नाबाद पारी खेली। कोहली ने अपनी इस शतकीय पारी के साथ रिकॉर्ड्स की झड़ी लगाई। कोहली ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 60 गेंदों की अपनी पारी में 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 11 चौके और 3 छक्के लगाए। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 59 गेंदों में 92 रनों की अहम साझेदारी निभाई। आईपीएल में यह कोहली का 9वां शतक है। विराट ने केकेआर के खिलाफ यह आईपीएल में दूसरा शतक लगाया। कोहली ने

इस लीग में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में जोस बटलर की बराबरी कर ली है। बटलर ने केकेआर और आरसीबी के खिलाफ दो-दो शतक लगाए हैं। आईपीएल में रनों का पीछा करते हुए विराट कोहली संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। चेज करते हुए विराट ने यह तीसरा शतक लगाया। कोहली के अलावा यह कारनामा सिर्फ जोस बटलर ही कर सके हैं। विराट टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। कोहली के बल्ले से टी20 क्रिकेट में यह 10वां शतक निकला। विराट आईपीएल में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

फिल्मी बैकग्राउंड से न आने पर करना पड़ता है संघर्ष

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अभी सिर्फ फिल्म का एक गाना सामने आया है, जिसे पसंद किया जा रहा है। इस बीच कृति ने अपने ड्रीम रोल के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि किस एक्ट्रेस की बायोपिक में वो काम करना चाहती हैं?

मेरे कई रोल स्टारकिड्स को मिल गए

इस दौरान कृति ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर और संघर्षों को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें लंबे समय तक सिर्फ निराशा हाथ लगी और मनचाहे किरदार नहीं मिले। लेकिन बाद में 'मिमी' ने उनके लिए सबकुछ बदल दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि कुछ भूमिकाएं ऐसी थीं जिनके मैं बहुत करीब पहुंच गई थी, लेकिन अंततः वे स्टार किड्स को मिल गईं, जो मेरे बस में नहीं था। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो आपको बहुत अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता है। यह चलता रहा, इस दौरान मैंने जोखिम उठाए और अधिक सोच-समझकर फैसले लिए। मैंने हर मौके को अपनी मेहनत से कमाया है। मुझे कुछ भी आसानी से नहीं मिला। एक दौर ऐसा भी था जब कुछ भी काम नहीं कर रहा था और सब कुछ उलझन भरा लग रहा था। हालांकि, मैं उस दौर के लिए आभारी हूं, क्योंकि इसने मुझे यह स्पष्ट कर दिया कि मैं क्या नहीं करना चाहती। असफलताएं आपको सफलता से कहीं अधिक सिखाती हैं।

रेखा की बायोपिक करना चाहती हैं कृति

बातचीत में जब कृति सेनन से पूछा गया कि वह किसकी बायोपिक का हिस्सा बनना चाहेंगी, तो कृति के मन में सिर्फ एक ही नाम था- रेखा। रेखा के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि उन्होंने जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीया है। इसलिए मुझे वह बेस्ट लगती हैं। मुझे पता है कि मैं उनके जैसी बिल्कुल नहीं दिखती, लेकिन मैं उनसे प्यार करती हूं। उनका दिल, उनका साहस, उनका व्यक्तित्व। वह मिलनसार, बुद्धिमान हैं।

'द वार्ड' से रियलिटी शो की होस्टिंग में डेब्यू करेंगी रुबीना दिलैक

मूविंग इमेज स्टूडियोज ने अपने नए नॉन-फिक्शन शो 'द वार्ड' की घोषणा कर दी है, जिसे रुबीना दिलैक होस्ट करेंगी। यह एक रियलिटी शो है, जो मां बनने की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सच्चाइयों को बहुत सही तरीके से दिखाएगा।

शो में क्या होगा खास

इस शो में 10 गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक एक छत के नीचे रहेंगी। इस शो को मेटरनिटी वार्ड जैसी सेटिंग में फिल्माया गया है। यह शो, मां बनने की राह पर उनकी असली भावनाओं, विचारों और रिश्तों को ईमानदारी से दिखाएगा। ये महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों से आई हैं। वे धीरे-धीरे अपने निजी अनुभव साझा करेंगी, एक-दूसरे से जुड़ेंगी और बातें करेंगी। इन बातों में शामिल होंगे- समाज की उम्मीदें, लड़कियों के प्रति भेदभाव, करियर की चाहत, परिवार में बदलते रिश्ते और मां बनने की चुनौतियां। रुबीना दिलैक सिर्फ होस्ट नहीं हैं, बल्कि वे सहानुभूति और समझ के साथ इन महिलाओं से जुड़ेंगी। खुद नई मां होने के नाते वे अपने अनुभव भी साझा करेंगी और सभी को सहारा देंगी। यह शो 15 मई को यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। प्रतिभागियों के पति और परिवार वाले भी इस सफर का हिस्सा बनेंगे। वे साथ रहकर सीखेंगे, समझेंगे और रिश्तों को मजबूत करेंगे। शो में 24 घंटे कैमरा, डॉक्टरों की देखभाल और गहरी कहानी सुनाई जाएगी। इससे मातृत्व के सच्चे, कच्चे और दिल को छूने वाले पलों को दिखाया जाएगा।

शो को लेकर रुबीना दिलैक की राय

रुबीना ने अपने सोशल मीडिया पर शो का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'मां बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा और भावनात्मक सफर रहा है। यह बहुत खूबसूरत है, लेकिन इतना मुश्किल भी कि कोई आपको पहले से तैयार नहीं कर सकता।

वकील हैं, अनपढ़ या नाबालिग नहीं...', दुष्कर्म के केस में जिम ट्रेनर को बेल देते हुए दिल्ली एचसी की सख्त टिप्पणी

जिम ट्रेनर पर ब्लैकमेल करने का भी आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। एक वकील से दुष्कर्म के मामले में आरोपित जिम ट्रेनर को जमानत देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि जब व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े सवालों पर निर्णय किया जाता है, तो नैतिकता को अपराध से अलग रखा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने यह टिप्पणी अभियोजन पक्ष के तर्क को सुनने के बाद की। जमानत याचिका का विरोध करते हुए अभियोजन पक्ष ने कहा कि आरोपित शादीशुदा है और उसका एक बच्चा भी है।

यह भी कहा कि आरोपित शादी के अलावा किसी और से संबंध थे और वह और पीड़िता अलग-अलग धर्मों से ताल्लुक रखते हैं। हालांकि, पीठ ने इन तर्कों को ठुकराते हुए कहा कि आरोपित नवंबर 2025 से हिरासत में है। पीठ ने आरोपित को 10 हजार रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया।

आरोपित ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(दो), 351(दो),

64(2)(एम) और 79 के तहत अपराधों के संबंध में नियमित जमानत की मांग की थी। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था कि एक जिम ट्रेनर के तौर पर काम करने वाले आरोपित की मुलाकात पीड़िता से तब हुई, जब वह उसके जिम आने लगी। आरोप है कि उसने पीड़िता को कोई नशीला पेय पिलाकर उसे एक होटल ले जाया गया। उसने न सिर्फ उसके साथ दुष्कर्म किया, बल्कि उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें खींचीं। पीड़िता ने आगे आरोप लगाया कि आरोपित ने इंटरनेट मीडिया पर उन तस्वीरों को प्रसारित करने की धमकी देकर बार-बार उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और उससे पैसे भी ऐंठे।

वहीं, आरोपित ने जमानत की मांग करते हुए तर्क दिया कि उनके बीच शारीरिक संबंध आपसी सहमति से बने थे और प्राथमिकी उनके रिश्ते में खटास आने के बाद कराई गई थी। उक्त तर्कों को साबित करने के लिए उसकी तरफ से तस्वीरें और वीडियो पेश की गई। अदालत ने पाया कि तस्वीरों या वीडियो में से किसी में भी कोई अश्लील या आपत्तिजनक सामग्री नहीं थी। अदालत ने यह भी पाया कि वे पहली नजर में आरोपित व पीड़िता के बीच रिश्ता आपसी सहमति से बना था। अदालत ने यह भी रिकॉर्ड पर लिया कि शिकायतकर्ता एक 30 वर्षीय पेशेवर वकील है और वह पूरी तरह से जानती थी कि उसके लिए क्या अच्छा है। पीठ ने कहा कि वह कोई नाबालिग या अनपढ़ महिला नहीं थी।

सरकार का बड़ा फैसला: चीनी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक, बड़े संकट की आहट?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने चीनी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध 30 सितंबर 2026 तक या अगले आदेश तक जारी रहेगा। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक देश ने यह कदम देश में दाम बढ़ने से रोकने यानी घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के लिए उठाया है। भारत में इस बार गन्ने की पैदावार कमजोर पड़ गई है। जिन क्षेत्रों में गन्ने की पैदावार अच्छी होती थी, उन जगहों पर फसल खराब होने से उत्पादन लगातार दूसरे साल घरेलू खपत से कम रहने का अनुमान है। सरकार ने पहले सोचा था कि गन्ने का उत्पादन मांग से अधिक होगा, इसलिए मिलों को 15.9 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी गई थी। लेकिन, अब हालात बदल गए हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, अल नीनो प्रभाव से इस साल मानसून पर खतरा बना हुआ है। इससे अगले सीजन का उत्पादन भी अनुमान से कम रह सकता है। यही वजह है कि सरकार ने समय रहते निर्यात रोकने का फैसला लिया।

रॉबर्ट वाड्रा ने खटखटाया दिल्ली एचसी का दरवाजा, भूमि सौदे में ट्रायल कोर्ट के समन को दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के शिकोहपुर में एक भूमि सौदे में अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन को उद्यमी रॉबर्ट वाड्रा ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका को बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। वाड्रा ने ट्रायल कोर्ट के 15 अप्रैल के आदेश को चुनौती दी है। वकील प्रतीक कृष्ण चड्ढा के माध्यम से दायर याचिका में रॉबर्ट वाड्रा ने दलील दी कि इसमें कोई गैर-कानूनी काम शामिल नहीं था और यह लेन-देन पूरी तरह से व्यावसायिक प्रकृति का था। वाड्रा ने अपनी याचिका में कहा कि ट्रायल कोर्ट का आदेश गलत है और इसे रद किया जाना चाहिए। इस मामले में जुलाई 2025 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोपपत्र दाखिल किया था और इसके बाद अदालत ने इसका संज्ञान लिया था।

अदालत ने रॉबर्ट वाड्रा को 16 मई को पेश होने का आदेश दिया है। यह पूरा मामला गुरुग्राम के शिकोहपुर में 3.53 एकड़ जमीन के एक प्लाट से जुड़ा है। ईडी ने आरोप लगाया कि राबर्ट वाड्रा की फर्म, स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने 12 फरवरी 2008 को ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से धोखाधड़ी करके यह जमीन खरीदी थी। ईडी ने राबर्ट वाड्रा को आरोपितों में से एक के रूप में नामित किया। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि जमीन अधिग्रहण में झूठे बयान दिए गए थे और दावा किया कि उनके निजी प्रभाव का इस्तेमाल करके एक व्यावसायिक लाइसेंस प्राप्त किया गया था। ईडी ने ट्रायल कोर्ट के सामने दलील दी कि जमीन के भुगतान के रूप में दिखाए गए 7.5 करोड़ का भुगतान एक चेक के माध्यम से किया गया था, जिसे कभी भुनाया नहीं गया। ईडी ने दावा किया कि बाद में इस जमीन को डीएलएफ को ज्यादा कीमत पर बेच दिया गया था। ईडी ने गत वर्ष मनी लांड्रिंग प्रिवेंशन एक्ट (पीएमएलए) के तहत इस मामले के हिस्से के रूप में लगभग 37.64 करोड़ मूल्य की 43 अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया था।

हरीश राणा की इच्छा मृत्यु के बाद परिवार का बड़ा फैसला, दिल का वॉल्व और कॉर्निया किए दान; एससी ने की सराहना

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हरीश राणा के परिवार की सराहना की, जिन्होंने उनकी इच्छा मृत्यु के बाद अंगदान किया। यह निर्णय उस समय आया जब सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद निवासी राणा के लिए जीवन समर्थन हटाने की अनुमति दी थी, जो लगभग 13 वर्षों से स्थायी रूप से चिकित्सा उपकरणों के सहारे रोग शैय्या पर थे। जस्टिस जेबी पार्डीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ को बताया गया कि राणा का निधन 24 मार्च को हुआ, जब उन्हें आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली के पैलिएटिव केयर यूनिट में स्थानांतरित किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय के 11 मार्च के निर्णय के अनुसार, उन्हें 'पैसिव यूथेनेसिया' की अनुमति दी गई थी। वहीं, सुनवाई के दौरान, राणा के परिवार के लिए उपस्थित वकील ने बताया कि उनकी मृत्यु का प्रमाणपत्र सर्वोच्च न्यायालय रजिस्ट्री में प्रस्तुत किया गया है। वकील ने यह भी बताया कि राणा के निधन के बाद उनके दिल का वॉल्व और कार्निया दान किए गए, क्योंकि ये अंग ही दान के लिए उपयुक्त पाए गए थे। 'प्रेम और करुणा' के साथ अंतिम सांस ली जस्टिस पार्डीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने सराहना व्यक्त करते हुए कहा कि अपूरणीय क्षति सहने के बावजूद, परिवार ने अंगदान के निर्णय के माध्यम से विशाल उदारता का प्रदर्शन किया।

दिल्ली के यादव नगर में गहराया जल संकट, 7 दिन से पानी के लिए तरस रहे 2000 से ज्यादा लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। यादव नगर में सप्ताभर से जलापूर्ति न होने के कारण लोग परेशान है। बढ़ रही गर्मी के बीच पानी की किल्लत से लोगों को रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा है। पाइप लाइन में दिक्कत के कारण कई ब्लाक में पानी नहीं आ रहा। जिसकी वजह से लगभग दो हजार से अधिक लोग दो बूंद पानी के लिए तरस रहे है।

यादव नगर के सी व डी-ब्लाक में लोगों के घर तक पानी नहीं पहुंच रहा। इन ब्लाक में लगभग दो मकान है। जहां 6-7 दिनों से जलापूर्ति बंद पड़ी है। जलापूर्ति न होने के कारण लोग अपने कामकाज नहीं कर पा रहे।

जलापूर्ति न होने के कारण लोगों के घरों में पीने के लिए पानी नहीं है। महिलाएं घरेलू कामकाज नहीं कर पा रही। बच्चे स्कूल जाने के लिए पानी की इंतजार करते रहते है। इसके अलावा अन्य कामकाजी लोग पानी न मिलने के कारण परेशान है। मजबूरन लोगों को मजबूरन निजी प्लांटों से पानी खरीदना पड़ रहा है।

20 लीटर पानी के लिए लोगों को 20 से 40 रुपये तक चुकाने पड़ रहे है। प्रतिदिन एक परिवार में अनुमानित 200-300 रुपये का पानी खरीदा जा रहा है। तब जाकर लोग अपने कामकाज कर पा रहे है। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी के जेई (जूनियर इंजीनियर) ने बताया कि इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली। फिर भी जांच कराई जाएगी।

जन प्रतिनिधियों की उपेक्षा करना गंभीर अपराध है। जिसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को दंडित किया जाना चाहिए। वैसे भी क्षेत्र में पानी की उपलब्धता होते हुए सिर्फ कुछ नागरिकों को पानी से वंचित करना भीषण गर्मी में किसी गंभीर अपराध से कम नहीं है। ऐसे अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। एक ओर दिल्ली की मुख्यमंत्री दिल्ली के नागरिकों को हीट वेव से बचाने के लिए व्यापक कार्य योजना बनाकर उसको क्रियान्वित करने में लगी हुई हैं, दूसरी ओर कुछ अधिकारी अपने कुकृत्यों और लापरवाही के चलते पूरी सरकार और प्रशासन को बदनाम करने में लगे हुए हैं। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ताकि भविष्य में किसी अधिकारी को सरकार को बदनाम करने की हिम्मत न पड़े।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला के साथ बातचीत की

विदेश मंत्री डॉक्टर एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला के साथ बातचीत की। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर सहमति जताई। बातचीत में भारत-दक्षिण अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई और

आपसी हितों से जुड़े प्रमुख बहुपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई। दक्षिण अफ्रीका के मंत्री रोनाल्ड लामोला ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी के लिए भारत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के जरिए अंतरराष्ट्रीय संवाद को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों की सराहना की।